अगस्त 2025/भाग-3/अंक 05

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

सृजनिका

मासिक पत्रिका

अनुक्रमणिका

1. धागों से बुने भविष्य की दिशा: निफ्ट गांधीनगर में 'वीविंग ऑपर्च्यूनिटीज' पर परिचर्चा का सफल आयोजन 03
2. परंपरा और तकनीक का अभिनव संगम: 'हैंडलूम हैकथॉन' में निफ्ट गांधीनगर के विद्यार्थियों की शानदार सहभागिता 05
3. देशभक्ति के रंगों में रंगा निफ्ट परिसर: 79वें स्वतंत्रता दिवस का हर्षोल्लास के साथ आयोजन 07
4. उद्योग और शिक्षा का सार्थक संवाद: निफ्ट गांधीनगर में 'नोवेल ज्वेल्स' (आदित्य बिड़ला ग्रुप) की सौजन्य भेंट 09
5. भक्ति, उल्लास और संस्कृति का अद्भुत संगम: निफ्ट गांधीनगर में 'गणेश स्थापना' का भव्य समारोह 11
6. 'पुढच्या वर्षी लवकर या' की गूंज और गुलाल के रंगों के बीच निफ्ट गांधीनगर ने दी बप्पा को भावभीनी विदाई 14
7. भक्ति, उल्लास और संस्कृति का संगम: निफ्ट गांधीनगर में 'कृष्ण जन्माष्टमी 2025' की धूम 16
8. फैशन और डिज़ाइन की दुनिया के समाचार 18

धागों से बुने भविष्य की दिशा

निफ्ट गांधीनगर में 'वीविंग ऑपर्च्युनिटीज' पर परिचर्चा का सफल आयोजन

भारतीय हथकरघा परंपरा केवल वस्त्र निर्माण की कला नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की एक मजबूत रीढ़ है। इसी गौरवशाली विरासत को सहेजने और इसे आधुनिक उद्यमशीलता से जोड़ने के उद्देश्य से, निफ्ट गांधीनगर के तानारिरी ऑडिटोरियम में 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' (7 अगस्त 2025) के अवसर पर एक अत्यंत सार्थक और विचारोत्तेजक पैनल चर्चा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

चित्र 1.1: पैनल चर्चा:"वीविंग ऑपर्च्युनिटीज: स्टार्टअप्स, सोशल एंटरप्राइजेज एंड द हैंडलूम इकॉनमी"

नवाचार और उद्यमशीलता पर मंथन

इस विशेष परिचर्चा का मुख्य विषय– "वीविंग ऑपर्च्युनिटीज: स्टार्टअप्स, सोशल एंटरप्राइजेज एंड द हैंडलूम इकॉनमी" रहा। पूरा संवाद मुख्य रूप से इस बात पर केंद्रित था कि कैसे उभरते स्टार्टअप्स और सामाजिक उद्यम हथकरघा क्षेत्र में नवाचार ला सकते हैं। विशेषज्ञों ने इस बात पर गहन मंथन किया कि हथकरघा अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और पारंपरिक कारीगरों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए कौन से नए और व्यावहारिक कदम उठाए जा सकते हैं।

एक मंच पर जुटे शिक्षा और उद्योग जगत के दिग्गज

इस गंभीर और प्रासंगिक विषय पर विचार-विमर्श के लिए शिक्षा, डिज़ाइन और नीति-निर्माण क्षेत्र की कई नामचीन हस्तियों ने एक ही मंच से अपने अनुभव साझा किए।

चित्र 1.2: पैनल चर्चा कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

चर्चा में निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. डॉ. समीर सूद और निफ्ट मुंबई के पूर्व निदेशक श्री अमरनाथ दत्ता ने हथकरघा क्षेत्र के संवर्धन में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका और भविष्य के विजन पर प्रकाश डाला। वहीं, उद्यमशीलता के व्यावहारिक पहलुओं और ज़मीनी हकीकत पर 'एबस्ट्रैक होम' की संस्थापक सुश्री वृंदा पटेल और कारीगरों के उत्थान के लिए कार्यरत 'कारीगर क्लिनिक' के संस्थापक डॉ. नीलेश प्रियदर्शी ने अपने विचार रखे।

इस संवाद को अकादमिक और बौद्धिक संपदा (IPR) के दृष्टिकोण से और अधिक समृद्ध बनाने के लिए एम.एस. यूनिवर्सिटी, बड़ौदा की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रीना भाटिया और भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (DPIIT IPR चेयर प्रोफेसर) की अन्नाम्मा सैमुअल ने भी श्रोताओं का मार्गदर्शन किया।

निष्कर्ष

इस संपूर्ण परिचर्चा का बेहद कुशल संचालन निफ्ट गांधीनगर के टेक्सटाइल डिज़ाइन विभाग की चेयरपर्सन डॉ. शुभांगी यादव द्वारा किया गया, जिन्होंने सभी वक्ताओं के विभिन्न दृष्टिकोणों को एक सूत्र में पिरोते हुए संवाद को एक सार्थक निष्कर्ष तक पहुँचाया।

परंपरा और तकनीक का अभिनव संगम

'हैंडलूम हैकथॉन' में निफ्ट गांधीनगर के विद्यार्थियों की शानदार सहभागिता

चित्र 2.1: 'हैंडलूम हैकथॉन' में निफ्ट गांधीनगर के विद्यार्थियों की टीम

भारतीय हथकरघा उद्योग की समृद्ध विरासत को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की दिशा में निफ्ट गांधीनगर के विद्यार्थियों ने एक सराहनीय और प्रेरणादायक कदम उठाया है। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय (विकास आयुक्त, हथकरघा) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'हैंडलूम हैकथॉन' में संस्थान की एक होनहार टीम ने हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मकता व तकनीकी दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विभिन्न विभागों का संयुक्त और सफल प्रयास

इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन में निफ्ट गांधीनगर के टेक्सटाइल डिज़ाइन और फैशन टेक्नोलॉजी विभाग की छात्राओं ने अपनी बहुआयामी प्रतिभा का परिचय दिया। इस सशक्त टीम में टेक्सटाइल डिज़ाइन की छात्राएं– ज्योति यादव, कशिश गुप्ता और शुभाती झा, तथा फैशन टेक्नोलॉजी की छात्राएं– सादियो बानो और शरण्या श्रुति शामिल रहीं।

तकनीक के माध्यम से हथकरघा क्षेत्र का उत्थान

इन मेधावी छात्राओं ने हथकरघा क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों का बारीकी से अध्ययन किया और उन्हें दूर करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक-संचालित अभिनव समाधान प्रस्तुत किए। उनके इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक बुनाई कला और उन्नत प्रौद्योगिकी के बीच एक मजबूत सेतु का निर्माण करना था। इस पहल के माध्यम से उन्होंने यह प्रदर्शित किया कि कैसे आधुनिक डिज़ाइन और तकनीक के सही उपयोग से भारतीय हथकरघा अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है।

संस्थान के लिए गौरव का क्षण

निफ्ट गांधीनगर को अपनी इन छात्राओं के समर्पण और उत्कृष्ट सोच पर अत्यंत गर्व है। उनका यह प्रयास केवल एक प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दर्शाता है कि निफ्ट के युवा डिज़ाइनर और टेक्नोक्रेट्स किस प्रकार अपनी शिक्षा और नवाचार का उपयोग समाज तथा देश के पारंपरिक उद्योगों के वास्तविक उत्थान के लिए कर रहे हैं।

देशभक्ति के रंगों में रंगा निफ्ट परिसर

"79वें स्वतंत्रता दिवस का हर्षोल्लास के साथ आयोजन

भारतीय स्वतंत्रता के गौरवशाली इतिहास और अमर शहीदों के अद्‌वितीय बलिदान को नमन करते हुए, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्‌योगिकी संस्थान (निफ्ट) गांधीनगर में देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस अत्यंत हर्षोल्लास और गहरी देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर संपूर्ण निफ्ट परिसर राष्ट्रीयता के उल्लास और तिरंगे के गौरव से सराबोर नज़र आया।

चित्र 3.1: 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण व देशभक्ति का उत्साह

राष्ट्रीय ध्वजारोहण और देशभक्ति का संकल्प

समारोह का मुख्य आकर्षण प्रातःकाल आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम रहा। निफ्ट गांधीनगर के निदेशक, प्रो. डॉ. समीर सूद ने पूरे सम्मान और गरिमा के साथ राष्ट्रध्वज फहराया। हवा में लहराते तिरंगे को सलामी देते हुए उपस्थित सभी अधिकारियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्‌यार्थियों ने जब एक स्वर में राष्ट्रगान गाया, तो पूरा प्रांगण देशभक्ति की असीम ऊर्जा और राष्ट्रप्रेम की भावना से गुंजायमान हो उठा।

चित्र 3.2: स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण

एकजुटता और उत्सव का माहौल

संस्थान के खुले प्रांगण (Amphitheater area) में आयोजित इस समारोह में निफ्ट परिवार के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर निदेशक महोदय ने उपस्थित सभी जनों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान देश की एकता, अखंडता और प्रगति में रचनात्मक योगदान देने का संकल्प लिया गया।

उपस्थित लोगों के चेहरों पर दिख रहा उत्साह और गरिमामयी उपस्थिति इस बात का प्रतीक थी कि निफ्ट गांधीनगर तकनीकी और रचनात्मक शिक्षा के साथ-साथ अपने विद्यार्थियों और कर्मचारियों में गहरे राष्ट्रीय मूल्यों का भी निरंतर संचार कर रहा है।

चित्र 3.3: स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियाँ

निष्कर्ष

यह भव्य समारोह केवल एक उत्सव नहीं था, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत रहने के संकल्प का दिन था। निफ्ट गांधीनगर परिवार अपने देश की गौरवशाली परंपरा और प्रगति के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराता है।

उद्योग और शिक्षा का सार्थक संवाद

निफ्ट गांधीनगर में 'नोवेल ज्वेल्स' (आदित्य बिड़ला ग्रुप) की सौजन्य भेंट

निफ्ट गांधीनगर सदैव अपने विद्यार्थियों को बेहतरीन अवसर प्रदान करने और उद्योग जगत के साथ अपने संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए, 'डिज़ाइनरनेक्स्ट कॉन्टेस्ट 2025' प्रतियोगिता के लिए 'नोवेल ज्वेल्स' (आदित्य बिड़ला ग्रुप) की एक उच्च स्तरीय टीम ने निफ्ट गांधीनगर परिसर का दौरा किया।

निदेशक महोदय के साथ विशेष बैठक

इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान, नोवेल ज्वेल्स की टीम ने निफ्ट गांधीनगर के निदेशक, प्रो. डॉ. समीर सूद से उनके कार्यालय में एक सौजन्य भेंट की। यह बैठक केवल एक शिष्टाचार भेंट तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसमें दोनों संस्थानों के बीच भविष्य में होने वाले सहयोग, विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों और डिज़ाइन जगत की उभरती प्रवृत्तियों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

चित्र 4.1: निफ्ट गांधीनगर के निदेशक के साथ 'नोवेल ज्वेल्स' (आदित्य बिड़ला ग्रुप) टीम की कार्यालय में बैठक

उद्योग जगत के प्रतिष्ठित डिज़ाइनरों की उपस्थिति

इस प्रतिनिधिमंडल में आदित्य बिड़ला ग्रुप के 'नोवेल ज्वेल्स' से डिज़ाइन और मानव संसाधन विभाग के कई प्रमुख अधिकारी शामिल थे:

श्री अभिषेक रस्तोगी: हेड ऑफ डिज़ाइन

सुश्री पल्लवी आहूजा सिंह: हेड ऑफ एसेंशियल कैटेगरी - डिज़ाइन टीम

सुश्री ऑस्टा डिसूज़ा: मैनेजर - एचआरबीपी

श्री जतिन सहगल: मैनेजर, एसेंशियल कैटेगरी - डिज़ाइन टीम

सुश्री सस्मिता सरवनन: असिस्टेंट मैनेजर, हाई वैल्यू कैटेगरी - डिज़ाइन टीम

चित्र 4.2: 'नोवेल ज्वेल्स' के प्रतिनिधियों और निफ्ट अधिकारियों का समूह चित्र

भविष्य की संभावनाएं

'डिज़ाइनरनेक्स्ट कॉन्टेस्ट' जैसी पहलों के माध्यम से निफ्ट के युवा और रचनात्मक विद्यार्थियों को आदित्य बिड़ला ग्रुप जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ जुड़ने, सीखने और अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का अमूल्य अवसर प्राप्त होता है। इस भेंट ने भविष्य में निफ्ट और नोवेल ज्वेल्स के बीच एक मजबूत और रचनात्मक साझेदारी की नींव को और अधिक सुदृढ़ किया है।

भक्ति, उल्लास और संस्कृति का अद्भुत संगम

निफ्ट गांधीनगर में 'गणेश स्थापना' का भव्य समारोह

भारतीय संस्कृति और उत्सवों की जीवंत परंपरा को पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ाते हुए, निफ्ट गांधीनगर परिसर में विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की हर्षोल्लास के साथ स्थापना की गई। "गणपति बाप्पा मोरया" के जयकारों और भक्तिमय उल्लास के बीच जब प्रथम पूज्य गजानन ने परिसर में प्रवेश किया, तो संपूर्ण वातावरण सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिकता से भर उठा।

चित्र 5.1: निफ्ट गांधीनगर परिसर में भव्य 'गणेश स्थापना'

पूर्ण श्रद्धाभाव से हुई महाआरती

समारोह का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान, मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ हुआ। संस्थान के निदेशक, प्रो. डॉ. समीर सूद और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ भगवान गणेश की वंदना और महाआरती की। इस अवसर पर अधिकारियों और विद्यार्थियों द्वारा धारण की गई 'गणपति बाप्पा मोरया' अंकित विशेष भगवा टोपियां आयोजन की सांस्कृतिक एकता और भक्ति के रंग को और भी गहरा कर रही थीं। आकर्षक रोशनी और फूलों से सजे भव्य पंडाल में विराजे गजानन के दर्शनों के लिए पूरा निफ्ट परिवार उमड़ पड़ा।

चित्र 5.2: गणेश स्थापना के अवसर पर महाआरती

पारंपरिक नृत्य और कला का शानदार प्रदर्शन

निफ्ट के विद्यार्थी जहां अपनी आधुनिक रचनात्मकता के लिए जाने जाते हैं, वहीं इस आयोजन में उन्होंने अपनी सांस्कृतिक जड़ों से गहरे जुड़ाव का भी शानदार प्रदर्शन किया। गणेश स्थापना के शुभ अवसर पर छात्राओं द्वारा पारंपरिक नौवारी साड़ियों में प्रस्तुत किए गए मनमोहक लोकनृत्य ने समारोह की शोभा और बड़ा दी। ढोल की थाप, लयबद्ध कदम और पारंपरिक नृत्यांगनाओं की ऊर्जा ने वहां उपस्थित हर व्यक्ति को झूमने पर मजबूर कर दिया।

चित्र 5.3: गणेश स्थापना के अवसर पर सांस्कृतिक/पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियाँ

एकजुटता और उत्सव का उल्लास

इस पूरे आयोजन में निफ्ट गांधीनगर एक वृहद परिवार के रूप में नज़र आया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों (Ethnic Wear) में सजे छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की विशाल समूह उपस्थिति ने इस बात को फिर से सिद्ध कर दिया कि आधुनिक डिज़ाइन शिक्षा के साथ-साथ निफ्ट अपने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को भी पूरी शिद्दत से संजोता है।

चित्र 5.4: गणेशोत्सव में पारंपरिक परिधानों में सजे निफ्ट परिवार की विशाल उपस्थिति

'पुढच्या वर्षी लवकर या' की गूंज और गुलाल के रंगों के बीच निफ्ट गांधीनगर ने दी बप्पा को भावभीनी विदाई

विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की पूरे भक्ति-भाव से आराधना और सेवा करने के पश्चात, निफ्ट गांधीनगर परिसर में बप्पा की विदाई (गणेश विसर्जन) का कार्यक्रम अत्यंत भव्य, भावपूर्ण और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। नम आंखें और उत्साह से भरे दिलों के साथ पूरे निफ्ट परिवार ने अपने चहेते गजानन को अगले बरस जल्दी आने के वादे के साथ विदा किया।

चित्र 6.1 : निफ्ट गांधीनगर परिसर में 'पुढच्या वर्षी लवकर या' की गूंज और गुलाल के रंगों के बीच बप्पा को भावभीनी विदाई देते हुए निफ्ट परिवार

अंतिम महाआरती और मंगल कामनाएं

विसर्जन की शुरुआत पंडाल में आयोजित अंतिम महाआरती के साथ हुई। संकाय सदस्यों, अधिकारियों और छात्र-छात्राओं ने पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान गणेश की आरती उतारी। बप्पा को मोदक और पुष्प अर्पित करते हुए सभी ने संस्थान की प्रगति, सुख-शांति और निर्विघ्नता की मंगल कामना की।

चित्र 6.2 : पंडाल में आयोजित अंतिम महाआरती में पूरे विधि-विधान और भक्ति-भाव के साथ भगवान श्री गणेश की आरती करते हुए छात्र-छात्राएं

ढोल-ताशा की थाप और गुलाल की होली

आरती के पश्चात जब बप्पा की प्रतिमा को परिसर से बाहर लाया गया, तो पूरा वातावरण ऊर्जा और उत्साह से भर उठा। पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की थाप और 'गणपति बाप्पा मोरया, पुढच्या वर्षी लवकर या' के गगनभेदी जयकारों ने हर किसी के भीतर एक नई उमंग भर दी।

सफेद परिधानों और 'गणपति बाप्पा मोरया' अंकित विशेष भगवा टोपियों में सजे विद्यार्थियों ने अबीर और गुलाबी गुलाल की जमकर होली खेली। ढोल की लय पर झूमते, गाते और नाचते हुए विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था। रंगों से सराबोर चेहरों पर जहां एक ओर उत्सव की खुशी थी, वहीं दूसरी ओर बप्पा के जाने की हल्की सी उदासी भी झलक रही थी।

चित्र 6.3 :पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की थाप, 'गणपति बाप्पा मोरया' के जयकारों और अबीर-गुलाल की होली के बीच झूमते-गाते विद्यार्थियों का उत्साह

परंपरा और एकजुटता का प्रतीक

निफ्ट गांधीनगर का यह गणेशोत्सव केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकजुटता का एक अद्भुत उदाहरण है। देश के विभिन्न हिस्सों से आए विद्यार्थियों ने एक साथ मिलकर जिस आत्मीयता से इस उत्सव को जिया, वह निफ्ट की उस जीवंत संस्कृति को दर्शाता है जहाँ कला, आधुनिक शिक्षा और भारतीय परंपराएं एक साथ कदम से कदम मिलाकर चलती हैं। गहरे रंगों, ढोल की गूंज और अनगिनत खूबसूरत यादों के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा को विसर्जित किया गया, इस अटूट विश्वास के साथ कि बप्पा का आशीर्वाद निफ्ट परिवार पर सदैव बना रहेगा।

भक्ति, उल्लास और संस्कृति का संगम

निफ्ट गांधीनगर में 'कृष्ण जन्माष्टमी 2025' की धूम

भारतीय संस्कृति के प्रमुख पर्वों में से एक, श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पावन त्योहार निफ्ट गांधीनगर परिसर में अत्यंत हर्षोल्लास, उमंग और गहरी भक्ति-भावना के साथ मनाया गया। 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' की गूंज और सकारात्मक ऊर्जा से भरे वातावरण में संपूर्ण निफ्ट परिवार ने इस उत्सव को एक यादगार आयोजन बना दिया।

चित्र 7.1 :कृष्ण जन्माष्टमी समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लेते विद्यार्थी ।

पारंपरिक पूजा और रचनात्मक सजावट

समारोह का शुभारंभ पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ भगवान श्री कृष्ण की पूजा-अर्चना से हुआ। संस्थान के निदेशक, प्रो. डॉ. समीर सूद ने पूर्ण भक्ति-भाव के साथ दीप प्रज्वलित कर और आरती उतारकर कार्यक्रम का विधिवत आरंभ किया। इस अवसर पर निफ्ट के विद्यार्थियों की अद्भुत रचनात्मकता भी पूजा स्थल की सजावट में स्पष्ट रूप से झलक रही थी। विशेष रूप से, भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं और सुंदर आकृतियों से उकेरी गई रंग-बिरंगी 'मटकी' (Matka) सभी के आकर्षण का मुख्य केंद्र रही।

चित्र 7.2 : निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद द्वारा भगवान श्री कृष्ण की पूजा-अर्चना व आरती ।

विद्यार्थियों का उत्साह और सांस्कृतिक छटा

संस्थान के प्रांगण में आयोजित इस भव्य समारोह में छात्र-छात्राओं का उत्साह देखते ही बनता था। देश के विभिन्न हिस्सों से आए विद्यार्थियों ने पारंपरिक और एथनिक परिधानों में सजकर पूरे परिसर को एक लघु भारत के सांस्कृतिक उत्सव में बदल दिया। तालियों की गड़गड़ाहट, संगीत की धुनों और भजनों की गूंज के बीच वहां उपस्थित हर व्यक्ति का मन कृष्णमय हो गया।

चित्र 7.3 : कृष्ण जन्माष्टमी समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लेते विद्यार्थी ।

निष्कर्ष

निफ्ट गांधीनगर का यह जन्माष्टमी समारोह न केवल एक पावन पर्व का आयोजन था, बल्कि यह संस्थान की उस समृद्ध और जीवंत परंपरा का भी प्रतीक है जहाँ आधुनिक डिज़ाइन और तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को भी पूरी गहराई से संजोया जाता है। उल्लास, मुस्कुराहटों और मंगल कामनाओं के साथ इस मनमोहक कार्यक्रम ने सभी के हृदयों में एक अमिट छाप छोड़ी।

फैशन और डिजाईन की दुनिया के समाचार

अंतरराष्ट्रीय समाचार

कोपेनहेगन फैशन वीक (4-8 अगस्त)

अगस्त की सबसे बड़ी वैश्विक खबर डेनमार्क से रही, जहाँ कोपेनहेगेन फैशन वीक का आयोजन हुआ।

- **सस्टेनेबिलिटी किंग:** कोपेनहेगन ने अपने 'सस्टेनेबिलिटी नियमों' को और कड़ा किया, जिससे अब केवल वही ब्रांड्स हिस्सा ले पाए जिन्होंने 100% रिसाइकिल सामग्री का उपयोग किया।
- **ससिलिए बहन्सें**: इस मशहूर ब्रांड ने अपनी 10वीं सालगिरह मनाई और एक "आर्काइव रनवे" शो पेश किया, जिसमें पुराने लोकप्रिय डिजाइन्स को नया रूप दिया गया।
- **स्कैंदी-कूल स्टाइल**: 'मिनिमलिज्म' के साथ 'बोल्ड पेस्टल कलर्स' इस सीजन के मुख्य ट्रेंड्स रहे।

ई-कॉमर्स और सर्कुलर फैशन

ईबे का सर्कुलर रनवे: अगस्त में 'ई-बे' ने घोषणा की कि वे सितंबर के फैशन वीक्स में "पुराने इस्तेमाल किए हुए" कपड़ों का रनवे शो लाएंगे, जिसने अगस्त में ही काफी चर्चा बटोरी।

सप्लाई चैन में एआई: एक बड़ी रिपोर्ट में बताया गया कि फैशन ब्रांड्स अब 'एआई सप्लाई चेन टूल्स' का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि कपड़ों की बर्बादी को रोका जा सके।

भारतीय समाचार

फेस्टिव सीजन और बड़े ऐलान

- **जेन-नेक्स्ट विजेता**: अगस्त में एनआईएफ ग्लोबल ने एफडीसीआई के साथ साझेदारी में जेननेक्स्टलकम फैशन वीक प्रस्तुत किया जिसमे 40वें 'जेन-नेक्स्ट' प्रोग्राम के विजेताओं, मोहम्मद अनस शेख, अनम हुसैन और प्रणिता चौधरी के नामों की घोषणा हुई, जो भारतीय फैशन के भविष्य के सितारे माने जा रहे हैं।
- **तरुण ताहिलियानी और लेकमे**: मशहूर डिजाइनर तरुण तहिलियानी को अक्टूबर के ग्रैंड फिनाले के लिए चुना गया, जिसकी घोषणा ने अगस्त में बाजार में हलचल पैदा कर दी।

ज्वेलरी और टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी:

- **शिल्प की विरासत**: 10 अगस्त को दिल्ली में "शिल्प की विरासत" प्रदर्शनी आयोजित हुई, जहाँ भारतीय हस्तशिल्प को आधुनिक गारमेंट्स के साथ जोड़कर पेश किया गया।
- भारत में निर्मित गौरव: 29 अगस्त को वैश्विक मीडिया प्लेटफॉर्म “सेमाफोर” ने भारतीय फैशन डिजाइनर्स की बढ़ती वैश्विक मांग पर एक विशेष रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया कि कैसे भारतीय फैब्रिक अब अंतरराष्ट्रीय लग्जरी ब्रांड्स की पहली पसंद बन रहे हैं।
- **फैशन अनबाउंड:** 7 अगस्त 2026 को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत एनजीओ **तमना** ने भारतीय फैशन डिजाइन परिषद (एफडीसीआई) के सहयोग से 'फैशन अनबाउंड' कार्यक्रम का आयोजन किया। यह समावेशी फैशन शो 'बिना किसी बाधा के फैशन' थीम पर आधारित था, जिसमें विशेष रूप से सक्षम बच्चों ने पेशेवर मॉडलों और डिजाइनरों के साथ रैंप वॉक कर एक समावेशी समाज का संदेश दिया।

राजभाषा अनुभाग

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

वस्त्र मंत्रालय , भारत सरकार

जय हिंद